geren		विद्	त-ध	रा -		Distribution of the property of the Commission o
	निम्नलिखित पदार्थों में कौन च (क) चीनी मिट्टी	ग्रालक है? (ख) अभ्रक	(ग)	काँच	عک	भे ऐलुमिनियम
	किसी चालक से प्रवाहित विद्यु (क्र) इलेक्ट्रॉन का प्रवाह	गुत-धारा वास्तव में है (ख) प्रोटॉन का प्रवाह	(ग)	न्यूट्रॉन का प्रवाह	(٤	प्र) इनमें सभी
	कुल प्रवाहित विद्युत की मात्रा (क्र) आवेश	को कहते हैं (ख) धारा	(ग)	विभवांतर	(ε	प्र) प्रतिरोध
١.	आवेश SI का मात्रक होता है (क) ऐम्पियर	(ख) वोल्ट	(H)	् कूलॉम	(ঘ	r) ओम मीटर
5.	निम्नांकित में विद्युत-धारा की (क) वोल्ट	प्रबलता का SI मात्रक है (ख्र) ऐम्पियर	(ग)	ओम	(ঘ) कूलॉम
í.	निम्नांकित में कौन-सा कथन र (क) ऐम्पियर = ओम ÷ वोल (ग) वोल्ट = ओम ÷ ऐम्पिय	ਟ	, ,	वोल्ट = ऐम्पियर ÷ ओ ⁹ ऐम्पियर = वोल्ट ÷ ओग		
	निम्नांकित में कौन-सा कथन क्रिक्ट जूल = कूलॉम x वोल्ट (ग) जूल = वोल्ट x ऐम्पिय			जूल = कूलॉम ÷ वोल्ट जूल = वोल्ट ÷ कूलॉम		
8.	प्रतिरोध का SI मात्रक है (क) ऐम्पियर (A)	्रिख) ओम (Ω)	(ग)	कूलॉम (C)	(घ)	वोल्ट (V)
	1 637	(Je) J/C	(ग)			A/J
0.	R प्रतिरोध वाले प्रतिरोधक के $V \times I = R$			क स हाकर प्रवाहित हानव $\frac{V}{I} = R$		
11.	. विद्युत-धारा की प्रबलता मापने ﴿﴿)ऐमीटर	ने के लिए निम्नलिखित में किर (ख) वोल्टामीटर	त युक्ति (ग)	त का उपयोग किया जात वोल्टमीटर	ा है? (घ)	् इनमें कोई नहीं
12.	, विभवांतर को किस यंत्र द्वारा (क) वोल्टामीटर द्वारा	धारा मापा जाता है? (ख्र) वोल्टमीटर द्वारा	(ग)	ऐमीटर द्वारा	(ঘ)	ओममीटर द्वारा

13. L लंबाई के तार का प्रतिरोध R है। उसे मध्यबिंदु पर इस प्रकार मोड़ा गया है कि उसके दोनों आधे भाग परस्पर 90° पर हों। उसका

14. दो तार एक ही पदार्थ के बने हैं। प्रथम तार की लंबाई दूसरे तार की लंबाई की दुगुनी है तथा उसका व्यास दूसरे तार के व्यास का

(ख) $R\sqrt{2}$

(ग) $\frac{R}{\sqrt{2}}$

🐙 दूसरे तार के प्रतिरोध का आधा

(घ) दूसरे तार के प्रतिरोध का चौगुना

(ঘ) $\frac{R}{4}$

दुगुना है, तो प्रथम तार का प्रतिरोध होगा

(क) दूसरे तार के प्रतिरोध का दोगुना (ग) दूसरे तार के प्रतिरोध के बराबर

नया प्रतिरोध होगा

 (\mathcal{F}_{0}) R

15.	l लंबा अनुप्रस	ाई एवं a अनुप्रस्थ स्थ परिच्छेद 4a है,	परिच्छेद क्षेत्र के विद्युत तार तो इसका प्रतिरोध है	का प्रतिरोध R है। इसी पदार्थ	के बने दूसरे तार की लंबाई इतनी ही है और
	(क)	4 <i>R</i>	$\frac{\sqrt{R}}{4}$	$(ग) \frac{R}{16}$	(घ) 16R
16.	समांत जाएग		प्रतिरोधकों के प्रतिरोध R_1 अं	ौर R_{2} हैं, तो उनका समतुल्य	प्रतिरोध $R_{\rm p}$ निम्नलिखित किसके द्वारा दिया
	(ক)	$R_{\rm p} = R_1 + R_2$	(ख) $R_{\rm p} = \frac{1}{R_1} + \frac{1}{R_2}$	$\mathcal{L}_p = \frac{R_1 R_2}{R_1 + R_2}$	(ਬ) $\frac{1}{R_{\rm p}} = \frac{1}{R_1} + R_2$
17.	जाएगा	τ?			प्रतिरोध $R_{ m s}$ निम्नलिखित किसके द्वारा दिया
	(J	$R_{\rm s} = R_1 + R_2$	(평) $\frac{1}{R_{\rm s}} = \frac{1}{R_{\rm l}} + \frac{1}{R_{\rm 2}}$	$(T) R_{s} = \frac{1}{R_{1}} + R_{2}$	(घ) $R_{s} = R_{1} + \frac{1}{R_{2}}$
18.	यदि स	प्तमांतरक्रम में जुड़े	दो प्रतिरोधकों के प्रतिरोध 🛭	R_1 और R_2 हों, तो उनका सम	तुल्य प्रतिरोध $R_{ m p}$
	(क)	R_1 से बड़ा होगा		(ख) R ₂ से बड़ा होग	
	(ग)	दोनों प्रतिरोधों से	बड़ा होगा	् ष्म) इनमें कोई नहीं	होगा
19.	यदि श्रे	श्रेणीक्रम में जुड़े दो	प्रतिरोधकों के प्रतिरोध R_1	और R_2 हों, तो उनका समतुत	न्य प्रतिरोध R_s
		R_1 से बड़ा होगा		(ख) R_2 से बड़ा होग	π
	(H)	दीनों प्रतिरोधों से	बड़ा होगा	(घ) इनमें कोई नहीं	होगा
20.	(क) (ख) (ग)	घटक प्रतिरोधकों घटक प्रतिरोधकों घटक प्रतिरोधकों	का समतुल्य प्रतिरोध हमेशा के मध्यमान के बराबर होता है में से सबसे कम मान वाले से में से सबसे अधिक और सब के जोड़ के बराबर होता है		हे
	•		1119 1. 14114 61411 6		
21.				धकों के समूह का समतुल्य प्रति	ररोध 4Ω है। प्रत्येक प्रतिरोधक का मान होगा
21.		रक्रम में संयोजित		धकों के समूह का समतुल्य प्रति (ग) 8Ω	रोध 4Ω है। प्रत्येक प्रतिरोधक का मान होगा
	समांत (क) दस त	रक्रम में संयोजित । 1Ω	समान प्रतिरोध के चार प्रतिरो (ख) 4Ω	(Ψ) 8Ω	
	समांतर (क) दस त	रक्रम में संयोजित 1Ω ार (समान लंबाई, प्रतिरोध होगा	समान प्रतिरोध के चार प्रतिरो (ख) 4Ω	(ग) 8Ω । एवं समान धातु) को समांतरः	L Φ) 16 Ω
22.	समांत (क) दस त तुल्य ! (क) तीन प्र	रक्रम में संयोजित 1Ω ार (समान लंबाई, प्रतिरोध होगा 10Ω	समान प्रतिरोध के चार प्रतिरो (ख) 4Ω समान अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल (ख) 1Ω	$(ग)$ 8Ω ा एवं समान धातु) को समांतरः ω ω 0.1Ω	$oldsymbol{\iota}$ प्र $oldsymbol{\gamma}$ 16 Ω क्रम में जोड़ा गया। प्रत्येक का प्रतिरोध 1Ω है।
22.	समांत (क) दस त तुल्य ! (क) तीन प्र	रक्रम में संयोजित 1Ω ार (समान लंबाई, प्रतिरोध होगा 10Ω ातिरोधों को, जिनमे ध होगा	समान प्रतिरोध के चार प्रतिरो (ख) 4Ω समान अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल (ख) 1Ω	$(ग)$ 8Ω ा एवं समान धातु) को समांतरः ω ω 0.1Ω	্ছে $)$ 16Ω क्रम में जोड़ा गया। प्रत्येक का प्रतिरोध 1Ω है। (घ) 0.001Ω
22.	समात (क) दस त तुल्य ! (क) तीन प्र प्रतिरोध (क)	रक्रम में संयोजित Ω 1Ω ार (समान लंबाई, प्रतिरोध होगा 10Ω ।तिरोधों को, जिनमे ध होगा	समान प्रतिरोध के चार प्रतिरो $(\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ $(\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ समान अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल $(\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ $(\mathbf$	(ग) 8Ω एवं समान धातु) को समांतर् Ω Ω Ω कम में लगाया गया है। ऐसे ती Ω	्ष्र $)$ 16Ω कम में जोड़ा गया। प्रत्येक का प्रतिरोध 1Ω है। $($ घ $)$ 0.001Ω न संयोगों को श्रेणीक्रम में लगाने पर परिणामी $($ घ $)$ $\frac{1}{3}\Omega$
22.	समात (क) दस त तुल्य ! (क) तीन प्र प्रतिरोध (क)	रक्रम में संयोजित Ω 1Ω ार (समान लंबाई, प्रतिरोध होगा 10Ω ।तिरोधों को, जिनमे ध होगा	समान प्रतिरोध के चार प्रतिरो $(\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ $(\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ समान अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल $(\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ $(\mathbf$	(ग) 8Ω एवं समान धातु) को समांतर् Ω Ω Ω कम में लगाया गया है। ऐसे ती Ω	(\mathfrak{P}) (\mathfrak{I})
23 24.	समातः (क) दस त तुल्य ! (क) तीन प्र प्रतिरोध (क) <i>R</i> प्रति (क) एक <i>R</i>	रक्रम में संयोजित है 1Ω ार (समान लंबाई, प्रतिरोध होगा 10Ω प्रतिरोधों को, जिनमें होगा 9Ω रोध के एक तार व	समान प्रतिरोध के चार प्रतिरो $(\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ ($\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ समान अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल ($\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ 1Ω का है, समांतर ($\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ 3Ω के 10 बराबर भागों में काटकर ($\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ $0.01R$	(ग) 8Ω । एवं समान धातु) को समांतरह (प्र) 0.1Ω कम में लगाया गया है। ऐसे ती (प्र) 1Ω : इन भागों को समांतरक्रम में जे (ग) $1.0R$	्ष्र $)$ 16Ω कम में जोड़ा गया। प्रत्येक का प्रतिरोध 1Ω है। $($ घ $)$ 0.001Ω न संयोगों को श्रेणीक्रम में लगाने पर परिणामी $($ घ $)$ $\frac{1}{3}\Omega$
23 24.	समातः (क) दस त तुल्य ! (क) तीन प्र प्रतिरोध (क) <i>R</i> प्रति (क) एक <i>R</i>	रक्रम में संयोजित है 1Ω ार (समान लंबाई, प्रतिरोध होगा 10Ω तिरोधों को, जिनमें ध होगा 9Ω रोध के एक तार व $0.1R$ प्रतिरोध के तार ध होगा	समान प्रतिरोध के चार प्रतिरो $(\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ ($\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ समान अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल ($\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ 1Ω का है, समांतर ($\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ 3Ω के 10 बराबर भागों में काटकर ($\ensuremath{\mathbf{e}}\xspace)$ $0.01R$	(ग) 8Ω । एवं समान धातु) को समांतरह (प्र) 0.1Ω कम में लगाया गया है। ऐसे ती (प्र) 1Ω : इन भागों को समांतरक्रम में जे (ग) $1.0R$	्ष्र) 16Ω कम में जोड़ा गया। प्रत्येक का प्रतिरोध 1Ω है। (घ) 0.001Ω न संयोगों को श्रेणीक्रम में लगाने पर परिणामी (घ) $\frac{1}{3}\Omega$ ोड़ दिया जाता है। संयोग का प्रतिरोध हो जाएगा (घ) $100R$
22.23.24.25.	समातः (क) दस त तुल्य ! (क) तीन प्र प्रतिरोध (क) एक R प्रतिरोध (क)	रक्रम में संयोजित है 1Ω IT (समान लंबाई, प्रितिरोध होगा 10Ω Iतिरोधों को, जिनमें होगा 9Ω Iरोध के एक तार व $0.1R$ है प्रतिरोध के तार हम होगा nR	समान प्रतिरोध के चार प्रतिरोध (ख) 4Ω समान अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल (ख) 1Ω पं प्रत्येक 1Ω का है, समांतरः (ख) 3Ω को 10 वरावर भागों में काटकर (ख) $0.01R$ को n बरावर भागों में काटा (ख) $\frac{R}{n}$	(ग) 8Ω एवं समान धातु) को समांतरत् (ग) 0.1Ω क्रम में लगाया गया है। ऐसे ती (ग) $1.0R$ जाता है। फिर इन भागों को स्मांतरक्रम में जे (ग) $\frac{n}{R}$	किम में जोड़ा गया। प्रत्येक का प्रतिरोध 1Ω है। (घ) 0.001Ω न संयोगों को श्रेणीक्रम में लगाने पर परिणामी (घ) $\frac{1}{3}\Omega$ ोड़ दिया जाता है। संयोग का प्रतिरोध हो जाएगा (घ) $100R$ समांतरक्रम में जोड़ा जाता है। संयोजन का तुल्य
22.23.24.25.	समातः (क) दस त तुल्य ! (क) तीन प्र प्रतिरोध (क) एक R प्रतिरोध (क)	रक्रम में संयोजित है 1Ω IT (समान लंबाई, प्रितिरोध होगा 10Ω Iतिरोधों को, जिनमें होगा 9Ω Iरोध के एक तार व $0.1R$ है प्रतिरोध के तार हम होगा nR	समान प्रतिरोध के चार प्रतिरोध (ख) 4Ω समान अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल (ख) 1Ω पं प्रत्येक 1Ω का है, समांतरः (ख) 3Ω को 10 वरावर भागों में काटकर (ख) $0.01R$ को n बरावर भागों में काटा (ख) $\frac{R}{n}$	 (ग) 8Ω एवं समान धातु) को समांतरत्व (म) 0.1Ω क्रम में लगाया गया है। ऐसे ती (म) 1Ω इन भागों को समांतरक्रम में जे (ग) 1.0R जाता है। फिर इन भागों को स्वांतर के विकास है। 	किम में जोड़ा गया। प्रत्येक का प्रतिरोध 1Ω है। (घ) 0.001Ω न संयोगों को श्रेणीक्रम में लगाने पर परिणामी (घ) $\frac{1}{3}\Omega$ ोड़ दिया जाता है। संयोग का प्रतिरोध हो जाएगा (घ) $100R$ समांतरक्रम में जोड़ा जाता है। संयोजन का तुल्य
22.23.24.25.26.	समांता (क) दस त तुल्य ! (क) तीन प्र प्रतिरोध (क) एक R प्रतिरोध (क) एक R प्रतिरोध (क)	रक्रम में संयोजित है 1Ω ार (समान लंबाई, प्रतिरोध होगा 10Ω ।तिरोधों को, जिनमें ध होगा 9Ω ।रोध के एक तार व $0.1R$ १ प्रतिरोध के तार ध होगा nR 2 का एक प्रतिरोध 1000Ω	समान प्रतिरोध के चार प्रतिरोध (ख) 4Ω समान अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल (ख) 1Ω ह प्रत्येक 1Ω का है, समांतर (ख) 3Ω हो 10 बराबर भागों में काटकर (ख) $0.01R$ को n बराबर भागों में काटा (ख) $\frac{R}{n}$ ह $1 \ \mathrm{k}\Omega$ के प्रतिरोध के साथ (ख) 10Ω	(ग) 8Ω ा एवं समान धातु) को समांतरह (Π) 0.1Ω कम में लगाया गया है। ऐसे ती (Π) Ω इन भागों को समांतरक्रम में जे (Π) $1.0R$ जाता है। फिर इन भागों को समांतरक्रम (Π) $\frac{n}{R}$ समांतरक्रम में जोड़ा जाता है (Π) 1Ω	क्रम में जोड़ा गया। प्रत्येक का प्रतिरोध 1Ω है। (घ) 0.001Ω न संयोगों को श्रेणीक्रम में लगाने पर परिणामी (घ) $\frac{1}{3}\Omega$ ोड़ दिया जाता है। संयोग का प्रतिरोध हो जाएगा (घ) $100R$ समांतरक्रम में जोड़ा जाता है। संयोजन का तुल्य (घ) $\frac{R}{n^2}$ । संयोग का प्रतिरोध होगा (घ) 0.01Ω से कम
22.23.24.25.26.	समातः (क) दस त तुल्य ! तीन प्र प्रतिरोध (क) एक R प्रतिरोध (क) एक R प्रतिरोध (क) रके (क)	रक्रम में संयोजित है 1Ω ार (समान लंबाई, प्रतिरोध होगा 10Ω ।तिरोधों को, जिनमें ध होगा 9Ω ।रोध के एक तार व $0.1R$ १ प्रतिरोध के तार ध होगा nR 2 का एक प्रतिरोध 1000Ω	समान प्रतिरोध के चार प्रतिरोध (ख) 4Ω समान अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल (ख) 1Ω ह प्रत्येक 1Ω का है, समांतर (ख) 3Ω हो 10 बराबर भागों में काटकर (ख) $0.01R$ को n बराबर भागों में काटा (ख) $\frac{R}{n}$ ह $1 \ \mathrm{k}\Omega$ के प्रतिरोध के साथ (ख) 10Ω	(ग) 8Ω ा एवं समान धातु) को समांतरह (Π) 0.1Ω कम में लगाया गया है। ऐसे ती (Π) Ω इन भागों को समांतरक्रम में जे (Π) $1.0R$ जाता है। फिर इन भागों को समांतरक्रम (Π) $\frac{n}{R}$ समांतरक्रम में जोड़ा जाता है (Π) 1Ω	कम में जोड़ा गया। प्रत्येक का प्रतिरोध 1Ω है। (घ) 0.001Ω न संयोगों को श्रेणीक्रम में लगाने पर परिणामी (घ) $\frac{1}{3}\Omega$ ोड़ दिया जाता है। संयोग का प्रतिरोध हो जाएगा (घ) $100R$ समांतरक्रम में जोड़ा जाता है। संयोजन का तुल्य $(E) \frac{R}{n^2}$ । संयोग का प्रतिरोध होगा

28.	बेलनाकार पात्र में पारे के अब पारे के स्तंभ का प्रति	स्तंभ का प्रतिरोध R है तरोध होगा	। जब उसी पारे को दुगुनी त्रिज्या	के अन्य बेलनाकार पात्र में डाला जाता है, त	नो
	(क) $\frac{R}{2}$	(ভা) $\frac{R}{4}$	(7) $\frac{R}{8}$	\mathcal{L} $\frac{R}{16}$	
29.	R प्रतिरोध के तार को तब	त्रतक खींचा जाता है ज	बतक कि इसकी त्रिज्या आधी नह	हीं हो जाती। इसका नया प्रतिरोध होगा	
	(ক) 4R	(ख) 8R	(H) 16R	(घ) 2R	
	(क) श्रणाक्रम म	्रिख) समातरक्रम में	प्रकार जोड़ा जाए कि समतुल्य प्र ं (ग) दोनों प्रकार से	ग्रितरोध 1 Ω हो ? (घ) दोनों में कोई प्रकार से नहीं	
	ताप बढ़ने से चालक का ! (क) बढ़ता है	प्रतिरोध (ख) घटता है	(ग) अपरिवर्तित रहता	है (घ) इनमें कोई नहीं	
32.	1 कूलॉम आवेश कितने प्रे	ोटॉनों से बनता है?			
	(क) 1.6×10 ⁻¹⁹	(ख) 1.6×10 ¹⁹	(II) 6.25×10 ¹⁸	(घ) 6.25×10 ⁻¹⁸	
33.	यदि 1 मिलीकूलॉम (mC) र मान होगा	आवेश को अनंत से किर	प्ती बिंदु $ extit{P}$ तक लाने में किया गया	कार्य $0.02~\mathrm{J}$ हो, तो P पर विद्युत विभव का	
	(क) 0.02 V	(ख) 0.2 V	(刊) 2 V	(F) 20 V	
34.	1 मिलीकूलॉम (mC) आवे	श को 25 V विभव वाले	ने <mark>बिंदु से 125</mark> V विभव वाले बिंदु	, तक जाने में कार्य का परिमाण होगा	
	(क) 125 J	(평) 25 J	(ग) 1.0 J	(日) 0.1 J	
35.	एक परिपथ में लगे ऐमीट	र का पठन 2 A है। परि	पथ में 24 C आवेश प्रवाहित होने	में कितना समय लगेगा?	
	(ক) 24 s	(ख) 2.4 s	(F) 12 s	(घ) 48 s	
36.	यदि एक बल्ब से 2 मिनट	. तक 3.0 A की धारा प्र	ावाहित की जाए, तो उसमें कितना	आवेश प्रवाहित होगा?	
	(क) 1.5 C	(F) 360 C	(刊) 60 C	(घ) 36 C	
37.	यदि किसी चालक में धारा इलेक्ट्रॉन पर आवेश का प	1.0 A हो, तो उसके अन् रिमाण =1.6×10 ⁻¹⁹ C)	नुप्रस्थ-काट से 1 s में प्रवाहित होनेव	वाले इलेक्ट्रॉनों की संख्या क्या होगी? (एक	
	(क) 6.25×10 ¹⁵	(ख) 6.25×10 ¹²	6.25×10 ¹⁸	(घ) 6.25×10 ²¹	
38.	200 V विभवांतर के दो वि	बंदुओं के बीच 5 mC अ	ावेश को ले जाने में किया गया क	ार्च होगा	
			(II) 1 J		
39.			हो, तो तार में विद्युत-धारा का म		
	(क) 96 A	(평) 24 A	(ग) 4 A	(A) 0.4 A	
40.				से प्रवाहित विद्युत-आवेश का मान होगा	
41	(क) 1 C	€ 60 C	(刊) 6 C	(घ) 10 C	
41.	प्रतिरोधक का प्रतिरोध होग	π		में 0.4 A की विद्युत-धारा प्रवाहित होती है।	
	(a) 6Ω	(ख) 3Ω	(η) 9 Ω	(EF) 30 Ω	
42.			2 है, 220 V के स्रोत से जो विद्युत		
12	(क) 0.02 A	0.2 A	(ग) 2 A	(घ) 55 A	
43.	एक विद्युत होटर की कुंडल	ती, जिसका प्रतिरोध 55 ((ख) 40 A	Ω है, 220 V के स्रोत से जो विद्युत (ग) 2.5 A	न-धारा लेगी उसका मान होगा (घ) 25 A	
44.		। समांतरक्रम में जोड़ा गय	ग है तथा इस संयोजन को 5 V की	बैटरी तथा 3 🗘 प्रतिरोध के साथ श्रेणीक्रम	
	1 (V	(ख) 4V	(刊) 3 V	(되) 1 V	

(ঘ) 1 V

150							
45.	किसी 6Ω के प्रतिरोधक के विभवांतर होगा	सिरों से बैटरी को संयोजित	करने पर प्रति सेकंड 24 J उ	ज्या उत्पन्न हो रही है। प्रतिरोधक के सिरों पर			
	(क) 16 V	(ख) 12 V	(刊) 4 V	(घ) 1.2 V			
46.	निम्नलिखित में कौन-सा व्यंज	नक विद्युत-परिपथ में विद्यु	त-शक्ति को निरूपित नहीं व	हरता?			
	(क) VI	(ख) $\frac{V^2}{R}$	(T) I^2R	(E) TR			
47.	यदि किसी परिपथ के किन्हीं होगी	दो बिंदुओं के बीच विभव	वांतर V हो और उसमें धारा	I, समय t तक प्रवाहित होती हो, तो शक्ति			
	(ক) VIt	(Jay) VI	$(\Pi) \frac{V}{I}$	(घ) $\frac{VI}{t}$			
48.	विद्युत-परिपथ की शक्ति हो	ती है					
	(ক) IR	(ख) IR^2	$(\mathcal{F})^{\prime}I^{2}R$	(घ) I^2R^2			
49.	निम्नलिखित में कौन-सा माः	त्रक वाट (W) के बराबर न	नहीं है?				
	(क) J/s	(평) VA	$(\eta) A^2 \Omega$	$V^2 \Omega$			
50.	यदि किसी प्रतिरोधक में प्रव (क) दुगुनी	वाहित होनेवाली विद्युत-धार (ख्र) चौगुनी	ा दुगुनी हो जाए, तो उसमें उ (ग) आधा	उत्पन्न ऊष्मा होगी (घ) एक-चौथाई			
51.	किसी प्रतिरोधक के सिरों से	। बैटरी को संयोजित कर 6	V विभवांतर पर 10 सेकंड	में 16 C को स्थानांतरित करने में उत्पन्न ऊष्मा			
	का मान होगा		20 A . N				
	(क) 6 J	(ख) 960 J	-(P) 96 J	(घ) 9.6 J			
52	. 6Ω प्रतिरोध की कोई विद्यु	त इस्तरी 10 A विद्युत-धार		न ऊष्मा का परिमाण होगा			
	(क) 180 kJ	(ख) 1800 J	(II) 18 kJ	(घ) 18 J			
53	. एक विद्युत बल्ब का तंतु 2		पंयोजित करने पर 0.5 A विह्	पुत-धारा लेंता है। बल्ब की शक्ति होगी			
	(क) 60 W	(Ja) 100 W	(ग) 40 W	(घ) 25 W			
54	. 50 W, 250 V चिह्नित विद्युत	न बल्ब में प्रवाहित धारा हे	ोगी				
	(西) 0.2 A	(ख) 2 A	(ग) 2.5 A	(घ) 5 A			
55	5. 100 W, 220 V चिह्नित विद्युत बल्ब के तंतु का प्रतिरोध होगा						
	(क) 22Ω	(ख) 44Ω	(II) 484 Ω	(智) 121 Q			
56	56. यदि किसी बिजली के बल्ब पर 220 V, 40 W लिखा हो, तो उसका प्रतिरोध होगा						
	(क) 880 Ω	(평) 121 Ω	(ग) 88 Ω	(Ξ) 1210 Ω			
57	v. 100 W के एक विद्युत बल्ह	न को 200 V के विद्युत-स्रो		गहित विद्युत-धारा का मान होगा			
	(क) 2 A	(평) 0.2 A	0.5 A	(घ) 2.5 A			
58	3. 220 V पर किसी विद्युत ब	ल्ब से $rac{3}{11}\mathrm{A}$ की धारा प्रव	ाहित होती है, तो बल्ब की	शक्ति है			
	(क) 220 W	(ख) 1000 W	(ग) 100 W	(F) 60 W			
5	9. 40 W का एक बल्व 220 V			ारा का मान होगा			
	-	$(\overline{D}) \frac{2}{11} A$		(घ) $\frac{4}{11}$ A			
6	0. किसी विद्युत बल्ब का अनुग	मतांक 220 V : 60 W है। ज	ब इसे 110 V पर प्रचालित क	रते हैं, तब इसके द्वारा उपभुक्त शक्ति होगी			
	(æ) 60 W	(ख) 40 W	(ग) 100 W	, (FP) 15 W			

(क) 60 W (ख) 40 W (ग) 100 W (म) 61. दो विद्युत बल्बों की रेटिंग 220 V पर 40 W तथा 60 W है। उनके प्रतिरोधों का अनुपात होगा

(ख) 3:8 (শ) 4:3 (ঘ) 9:4 62. R_1 एवं R_2 दो प्रतिरोध ($R_1 > R_2$) समांतरक्रम में जुड़े हैं। किस प्रतिरोध में उत्पन्न शक्ति अधिक होगी? (क) R_1 में (ग) दोनों में समान (घ) अनिश्चि 63. वाट घंटा मात्रक है (क) आवेश का (ख) धारा का (ग) शक्ति का **अ** ऊर्जा का 64. किलोवाट घंटा (kWh) मात्रक है (क) शक्ति का (ख) समय का ्राम्≯ ऊर्जा का (घ) द्रव्यमान का 65. एक कार के हेडलाइट के 12 V के बल्ब से होकर 5 मिनट तक 5.0 A की विद्युत-धारा प्रवाहित होती है। इतने समय में बल्ब द्वारा उपभोग की गई ऊर्जा का परिमाण है (क) 300 J (ख) 1500 J (ग) 1.8 J 18 kJ 66. फ्यूज तार के लिए कौन-सा कथन सत्य है? (क) प्रतिरोध तथा गलनांक दोनों अधिक होता है। (ख) प्रतिरोध कम तथा गलनांक अधिक होता है। 😾 प्रतिरोध अधिक तथा गलनांक कम होता है। (घ) प्रतिरोध तथा गलनांक दोनों कम होता है। 67. विद्युत बल्ब के फिलामेंट के लिए जिस तत्त्व का व्यवहार किया जाता है, वह है (क) ताँबा (ख्र) टंग्स्टन (गं) नाइक्रोम (घ) जस्ता 68. निम्नलिखित में कौन-सा कथन गलत है? (क) किसी चालक के अनुप्रस्थ-काट से प्रवाहित आवेश और प्रवाह के समय का अनुपात ही विद्युत-धारा है। (ख) किसी सेल के अंदर हो रही रासायनिक अभिक्रियाएँ ही उस सेल के दोनों ध्रुवों को जोड़नेवाले तार में आवेश के प्रवाह के कारण हैं। 🎢 विद्युत-धारा के स्रोत, जैसे—सेल, बैटरी आदि, इलेक्ट्रॉन उत्पन्न करते हैं। (घ) विद्युत-धारा की परंपरागत दिशा इलेक्ट्रॉनों के प्रवाह की दिशा के विपरीत मानी जाती है। 69. निम्नलिखित में कौन-सा कथन सही है? (क) किसी चालक का प्रतिरोध उसकी लंबाई के व्युत्क्रमानुपाती होता है। (ख) प्रतिरोधकता का SI मात्रक ओम (Ω) है। (ग) ताप के बढ़ने से सभी शुद्ध धातुओं की प्रतिरोधकता घटती है। ्रि) किसी चालक के सिरों के बीच विभवांतर V और उसमें प्रवाहित धारा I के अनुपात को उस चालक का प्रतिरोध कहते हैं। 70. निप्नलिखित में कौन-सा कथन गलत है? (क) ऐमीटर से विद्युत-परिपथ की धारा मापी जाती है। (ख) वोल्टमीटर को विद्युत-परिपथ के दो बिंदुओं के बीच समांतरक्रम में जोड़ा जाता है। समांतरक्रम में जुड़ें दो प्रतिरोधकों का समतुल्य प्रतिरोध उनमें प्रत्येक के अलग-अलग प्रतिरोध से अधिक होता है। (घ) इलेक्ट्रॉनों के प्रवाह के लिए श्रेणीक्रम परिपथ एक ही मार्ग देता है, जबकि समांतरक्रम परिपथ एक-से-अधिक मार्ग प्रदान करता है। 71. निम्नलिखित में कौन-सा कथन गलत है?

(क) विद्युत-शक्ति का SI मात्रक वाट होता है।

 (η) वाट $(watt) = वोल्ट <math>(volt) \times \dot{V}$ िम्पयर (ampere)्रिट) किलोवाट-घंटा (kWh) मात्रक है शक्ति का।

(ख) धारा बढ़ने पर वैद्युत युक्तियाँ बर्बाद न हों, इसलिए परिपथ में फ्यूज लगाए जाते हैं।